पाठ – 4 खाद्‌ध्य सुरक्षा

प्रश्न1. – गरीबो को खाघ सुरक्षा देने के लिए सरकार ने क्या उपाय किए है? सरकार की ओर से शुरू की गई किन्ही दो योजनाओ को लिखे ं।

उत्तर –

(i) संशोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली :–इस प्रणाली का आरंभ 1992 मे देश के 1700 ब्लाको मे किया गया । इसका लक्ष्य दूर दराज के और सभी पिछडो क्षेत्रो मे सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ पहुँचाना था । जुन 1997 मे सभी क्षेत्रो मे गरीबी को लक्षित करने के लिए सिद्धान्त अपनाने के लिए लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली प्रारंभ की गई ।

(ii) अंत्योदय अन्न योजना : यह योजना गरीबो मे भी सार्वाधिक गरीब के लिए शुरू की गई । इस योजना का संचालन सार्वजनिक वितरण प्रणाली के वर्तमान नेटवर्क से जोड दिया गया । इस योजना के अंर्तगत निर्धनो को 35 किलोग्राम खघान्न मिलता है ।

प्रश्न2. – भारत में खाद्य सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाती है ?

उत्तर – भारत में खाद्य सुरक्षा का सुनिश्चियन बफर स्टॉक और सार्वजनिक वितरण प्रणाली द्वारा किया जाता है।

प्रश्न3. – कौन लोग खाद्य असुरक्षा से अधिक ग्रस्त हो सकते है ?

उत्तर – भूमीहीन लोग, परम्परागत कारीगर, परम्परागत सेवाएँ प्रदान करने वाले जैसे – नाई , बढई , धोबी आदि लोग खाद्य असुरक्षा से अधिक ग्रस्त हो सकते है।

प्रश्न4. – क्या आप मानते है कि हरित क्रांति ने भारत को खाद्यानों में आत्म निर्भर बना दिया है ? कैसे ?

उत्तर – हाँ, हरित क्रांति ने भारत को खाद्यानों में आत्म निर्भर बना दिया है, क्योंकि हरित क्रांति के बाद गेंहूँ तथा चावल के उत्पादन में इतनी अधिक वृद्धि हुई है कि हमें अब दूसरो देशों से गेंहूँ आदि खाद्यान्नों का आयात नहीं करना पडता।

प्रश्न5. – आपदा खाद्य आपूर्ति को कैसे प्रभावित करती है?

Or

प्रश्न6. – विपदा में खाद्य सुरक्षा कैसे प्रभावित होती है ?

उत्तर – प्राकृतिक आपदा में खाद्य सुरक्षा निम्न प्रकार से प्रभावित होती है।

(i) खाद्यान्नों की कुल उत्पादन कम हो जाता है।
(ii) प्रभावित क्षेत्र में खाद्यान्न में कमी हो जाती है।
(iii) किमतों में वृद्धि हो जाती है।
(iv) यदि आपदा लंबे समय तक रहता है तो भूखमरी की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

प्रश्न7. – खाद्य और संबंधित वस्तुओं को उपलब्ध कराने में सहकारी समितियों की भूमिका वर्णन करे।

उत्तर – खाद्य और संबंधित वस्तुओं को उपलब्ध कराने में सहकारी समितियों की भूमिका निम्न है।

(i) सहकारी समितियाँ निर्धन लोगों को खाद्यान्न की बिक्री के लिए कम कीमत वाली दूकानें खोलती है।
(ii) समाज के विभिन्न वर्गो के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती है।
(iii) अनाज बैकों की स्थापना के लिए गैर – सरकारी संगठनों के नेटवर्क में सहायता करती है।
(iv) ये सरकार द्वारा नियंत्रित मूल्य पर खाद्य (दूध और सब्जी) उपलब्ध कराती है। जैसे – मदर डेयरी, तथा सफल आदि ।

Downloaded from: http//:www.atpeducation.com Email-id: atpeducations@gmail.com ATP Education

प्रश्न8. – मौसमी भुखमरी तथा दीर्धकालिक भुखमरी में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – **मौसमी भुखमरी:–**

(i) यह कृषि उत्पादन में में आई गिरावट से उत्पन्न होती है।
(ii) पुरे साल काम न मिलने से उत्पन्न होती है।
(iii) बाढ़, सुखा जैसे आपदाओं से उत्पन्न होता है।

दीर्धकालिक भूखमरी :–

(i) हमेंशा से कम आय हो तो अस प्रकार की भूखमरी लगातार बनी रहती है।
(ii) वे खाद्यान्न खरीदने में असमर्थ होते है।
(iii) ऐसी भूखमरी अपर्याप्त खूराक से उत्पन्न होती है।

प्रश्न9. – भूखमरी से आप क्या समझते है ?

उत्तर – भूखमरी एक ऐसी स्थिति है जिसमें खाद्यान्नों का संकट उत्पन्न हो जाने के कारण प्राणी भूख से मरने लगते है।

प्रश्न10. – बफर स्टॉक क्या है ? सरकार इसे क्यों बनाती है ?

उत्तर – बफर स्टॉक अनाजों का वह स्टॉक है जिसका सृजन किसानों से अनाज खरीद कर करती है। सरकार खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए बफर स्टॉक बनाती है तथा समान के गरीब वर्गो में बाजार मुल्य से कम कीमत पर अनाज वितरण करने के जिए ।

प्रश्न11. – न्युनतम समर्थित मूल्य से आप क्या समझते है ?

उत्तर – सरकार द्वारा किसानों को उनकी फसलों के लिए पहले ही से किमतें घोषित कर दी जाती है। इस घोषित मूल्य को न्युनमत समर्थित मूल्य कहते है।

प्रश्न12. – निर्गत कीमत क्या है ? स्पष्ट करे।

उत्तर – समाज के गरीब वर्गो में बाजार कीमत से कम मूल्य पर अनाज वितरण किया जाता है। इस कीमत को निर्गम कीमत कहते है।

प्रश्न13. – राशन की दूकानों के संचालन में क्या समस्याएँ है ?

उत्तर – राशन की दूकानों के संचालन में निम्न समस्याएँ है।

(i) राशन की दूकानों को प्रत्येंक लेन देन का लेखा जोखा रखना पडता है।
(ii) राशन की दूकानों को उपभोक्ताओं का हर बात का ख्याल रखना पडता है।
(iii) राशन की दूकानों पर किसी उपभोक्ता की शिकायत की पूष्टि होने पर लाइसेंस रद्द भी हो सकता है।

www.atpeducation.com

Downloaded from: http//:www.atpeducation.com Email-id: atpeducations@gmail.com ATP Education